The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Year-8 Volume: II, April-June, 2026 Issue-30 ISSN: 2582-1296 (Online)
Website: www.theasianthinker.com **Email**: asianthinkerjournal@gmail.com

46. जनजातीय समुदाय के बच्चों एवं युवाओं में सोशल मीडिया के प्रति जागरूकता एवं उपयोग का अध्ययन : जशपुर जिला के विशेष सन्दर्भ में

सुनील कुमार साहू
अतिथि ग्रंथपाल, शासकीय अग्रसेन महाविद्यालय, बिल्हा, बिलासपुर, छत्तीसगढ़
ईमेल – ssahu8398@gmail.com
नवीन सुलभ खलखो
अतिथि ग्रंथपाल, शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय, बलरामपुर, छत्तीसगढ़
ईमेल – xalxonaveen08@gmail.com
रूपेन्द्र साहू
अतिथि व्याख्याता (अर्थशास्त्र), शासकीय अग्रसेन महाविद्यालय, बिल्हा, बिलासपुर, छत्तीसगढ़
ईमेल - rs.rupendra0506@gmail.com

शोध सार

वर्तमान डिजिटल युग में सोशल मीडिया ने संचार, सूचना प्रसार एवं ज्ञान अर्जन के स्वरूप को व्यापक रूप से परिवर्तित किया है। विशेष रूप से जनजातीय समुदाय, जो परंपरागत रूप से मुख्यधारा से कुछ हद तक पृथक रहे हैं, अब डिजिटल माध्यमों के संपर्क में तेजी से आ रहे हैं। प्रस्तुत शोध का उद्देश्य जशपुर जिले के विशेष संदर्भ में जनजातीय समुदाय के बच्चों एवं युवाओं में सोशल मीडिया के प्रति जागरूकता, उपयोग की प्रकृति तथा इसके शैक्षणिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक प्रभावों का सम्यक् विश्लेषण करना है। समाज में आज सोशल मीडिया का उपयोग लोकप्रिय हो रहा है और इसके कई सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभाव देखने को मिलते हैं। ये प्रभाव बच्चों एवं युवाओं के जीवन के विभिन्न क्षेत्र को प्रभावित करता हैं। यह अध्ययन मुख्यतः वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक शोध डिजाइन पर आधारित है, जिसमें प्राथमिक एवं द्वितीयक दोनों प्रकार के आंकड़ों का उपयोग किया गया हैं। अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का उपयोग किया गया है और अध्ययन के उद्देश्यों के अनुसार एक अच्छी तरह से संरचित बंद प्रश्नावली गूगल फॉर्म के माध्यम से तैयार की गयी थी, जिसे व्हाट्सएप, इमेल आदि के माध्यम से जशपुर के बच्चों एवं युवाओं में वितरित किया गया। नमूना चयन हेतु व्यापक न्यादर्श विधि का प्रयोग किया गया था। प्राप्त डेटा का विश्लेषण तालिकाओं और चार्ट के रूप में प्रस्तुत कर व्याख्या किया गया है।अध्ययन में यह भी जांचा जाएगा कि सोशल मीडिया का उपयोग किस प्रकार शैक्षणिक उपलब्धि, सूचना तक पहुँच, सामाजिक सहभागिता तथा सांस्कृतिक पहचान को प्रभावित कर रहा है। इस अध्ययन में हमने पाया कि अधिकांश आदिवासी बच्चे एवं युवा सोशल मीडिया के बारे में जानते हैं और इसका प्रयोग करते हैं।

The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Year-8 Volume: II, April-June, 2026 Issue-30 ISSN: 2582-1296 (Online)
Website: www.theasianthinker.com **Email**: asianthinkerjournal@gmail.com

मुख्य शब्द : सोशल मीडिया, जागरूकता, आदिवासी बच्चें, सोशल मीडिया का प्रभाव, जशपुर नगर , सरगुजा।

प्रस्तावना : सोशल मीडिया का प्रयोग आज समाज में लगभग हर कोई करता हैं, छोटे बच्चें से लेकर बुजुर्ग तक यह सामाजिक जागरूकता एवं सूचना प्राप्त करने का एक अच्छा माध्यम हैं। यह ऑनलाइन माध्यम से संचार करने का एक उत्तम माध्यम हैं जिसमे भौगोलिक सीमा की बाध्यता समाप्त हो जाता हैं और लोग हर जगह से अपनी बात कह सकते हैं। युवा वर्ग में सोशल मीडिया का प्रयोग एक सामाजिक चेतना जागृत करने वाले उपकरण के रूप में किया जाता हैं यह उनके विचार को अभिव्यत करने का एक मंच हैं। सरल शब्दों में कहें तो यह एक ऐसा मंच है जिसके माध्यम से लोग अपने विचार, सोच, चित्र, ऑडियो, मेल, टिप्पणियाँ, समाचार, सूचनाएँ, परियोजनाएँ आदि साझा करते हैं। व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर, यू-ट्यूब, स्नैपचैट आदि जैसे विभिन्न सोशल मीडिया उपकरण बहुत ही सामान्य रूप से उपयोग किए जाने वाले और शक्तिशाली संचार उपकरण हैं। इस अध्ययन का उद्देश्य जशपुर जिले के बच्चों एवं युवाओं द्वारा सोशल मीडिया के उपयोग और जागरूकता, उद्देश्य, आवृत्ति और सोशल मीडिया पर बिताए गए समय और व्यापक रूप से उपयोग किए जाने वाले सोशल मीडिया टूल्स का पता लगाना है।

अध्ययन का क्षेत्र : इस अध्ययन हेतु छत्तीसगढ़ के आदिवासी बाहुल्य अंचल सरगुजा संभाग के जशपुर जिले का चयन किया गया हैं, जहाँ अधिकांशतः जनजातीय समुदाय के लोग रहते हैं। इस अध्ययन में जशपुर जिले के ग्रामीण एवं शहरी इलाकों के युवा एवं बच्चों में सोशल मीडिया साइट के बारे में जागरूकता और उपयोग का पता लगाने का प्रयत्न किया गया हैं। इस अध्ययन का दायरा केवल जशपुर जिला तक ही सीमित हैं।

अध्ययन का उद्देश्य : इस अध्ययन के उद्देश्य हैं:

- ❖ जशपुर जिले के जनजातीय समुदाय के बच्चों एवं युवाओं में सोशल मीडिया के बारे में जागरूकता का निर्धारण करना
- ❖ जशपुर जिले के जनजातीय समुदाय के बच्चों एवं युवाओं में सोशल मीडिया के उपयोग की आवृत्ति की जांच करना एवं
- ❖ जशपुर जिले के जनजातीय समुदाय के बच्चों एवं युवाओं में सोशल मीडिया का उपयोग करने के उद्देश्यों की पहचान करना।
- ❖ सोशल मीडिया उपयोग के शैक्षणिक उपलब्धि एवं सीखने की प्रक्रिया पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन करना।
- ❖ सामाजिक व्यवहार, संचार शैली एवं पारस्परिक संबंधों पर सोशल मीडिया के प्रभाव का परीक्षण करना।

The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Year-8 Volume: II, April-June, 2026 Issue-30 ISSN: 2582-1296 (Online)
Website: www.theasianthinker.com **Email**: asianthinkerjournal@gmail.com

- ❖ जनजातीय सांस्कृतिक मूल्यों, परंपराओं एवं पहचान पर सोशल मीडिया के सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभावों का मूल्यांकन करना।

सम्बंधित साहित्य का पुनरावलोकन :

कांबले, भाग्यश्री एवं अन्य (2021) ने "USE AND AWARENESS OF SOCIAL MEDIA TOOLS BY UNDER GRADUATE STUDENTS" नामक शीर्षक पर अध्ययन किया। इस अध्ययन हेतु इन्होने सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया। इस अध्यनन में इन्होने पाया की 86.5% उत्तरदाताओं को पता है कि सोशल मीडिया क्या है और 3.2% उत्तरदाताओं को सोशल मीडिया के बारे में जानकारी नहीं है। इस अध्यन में उन्होंने पाया की बच्चें कई वर्षो से सोशल मीडिया का प्रयोग कर रहे हैं और मुख्य रूप से मोबाइल का प्रयोग करते हैं सोशल मीडिया तक पहुचने के लिए, उत्तरदाताओं ने यह सहमती भी जताई की सोशल मीडिया उनके शैक्षणिक गतिविधियों में मदद करता है।

नागराजा, एस. एवं अन्य (2016) ने "Awareness and Use of Social Media by Student Teachers: A Study" शीर्षक पर अध्ययन किया। इसके लिए इन्होने सर्वे विधि का प्रयोग किया और प्रश्नावली तैयार कर वितरित किया। इस अध्ययन से यह ज्ञात हुआ की लगभग सभी लोग सोशल मीडिया के बारें में जानते और 39.19% छात्र-शिक्षक उपयोग करते थे। इस अध्ययन में इन्होने यह भी पाया की छात्र एवं शिक्षक उपयोगी जानकारी खोजने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं और छात्रों ने इस बात पर भी सहमत थे की सोशल मीडिया उपकरण उनकी शैक्षणिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने में बहुत उपयोगी हैं।

लोकेशा एम. और नाइक, डॉ. उमेशा (2016) ने "Use and Awareness of Social Networking Tools by the Research Scholars of Mangalore University: A Study इस शीर्षक पर शोधार्थियों पर अध्ययन किया। इन्होने डेटा एकत्र करते समय उत्तरदाताओं से, प्रश्नावली, अवलोकन और साक्षात्कार विधियों का उपयोग किया। इनके शोध से यह पता चलता है कि फेसबुक युवाओं के बीच बहुत लोकप्रिय है, साथ ही अन्य सोशल मीडिया का उपयोग किया जा रहा हैं। (65.20%) उत्तरदाता अकादमिक और शोध के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करते थे।

शोध प्रविधि : यह अध्ययन सर्वेक्षण विधि पर आधारित हैं, अध्ययन के उद्देश्यों के अनुसार एक अच्छी तरह से संरचित प्रश्नावली गूगल फॉर्म के माध्यम से तैयार की गयी थी, जिसे व्हाट्सएप, इमेल आदि के माध्यम से जशपुर के बच्चों एवं युवाओं में वितरित किया गया। नमूना चयन हेतु व्यापक न्यादर्श विधि का प्रयोग किया गया था। प्राप्त आकड़ों का अध्ययन करने के उपरांत विश्लेषण कर सुनियोजित तरीके से सारणी, ग्राफ माइक्रोसॉफ्ट वर्ड के टूल्स बार द्वारा बनाया।

The Asian Thinker

The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Year-8 Volume: II, April-June, 2026 Issue-30 ISSN: 2582-1296 (Online)
Website: www.theasianthinker.com **Email**: asianthinkerjournal@gmail.com

डेटा विश्लेषण और व्याख्या :

सारणी 1 : उत्तरदाताओं का लिंग-वार विवरण

लिंग	उत्तरदाता	प्रतिशत
पुरुष	30	46.2 %
महिला	35	53.8 %
योग :	65	100%

सारणी 2 : उत्तरदाताओं का शैक्षणिक पृष्टभूमि

शैक्षणिक स्तर	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
स्कूल विद्यार्थी	5	07.7%
कॉलेज विद्यार्थी (नियमित)	40	61.5%
कॉलेज विद्यार्थी (स्वाध्यायी)	8	12.3%
शिक्षा पूर्ण	7	10.8%
पढ़ाई बीच में छोड़ दिया	5	07.7%
योग :	65	100%

सारणी 3 : सोशल मीडिया के बारे में जागरूकता

जागरूकता	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
हाँ	57	87%
अच्छे से नहीं	07	11 %
नहीं	01	02 %
योग :	65	100%

सारणी 3 से यह पता चलता हैं की अधिकांश 87% बच्चें एवं युवा सोशल मीडिया के बारे में जानते थे। 11% ऐसे लोग थे जो अच्छे से सोशल मीडिया के बारे में नहीं जानते थे एवं 02% बच्चे सोशल मीडिया के बारें में नहीं जानते

The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Year-8 Volume: II, April-June, 2026 Issue-30 ISSN: 2582-1296 (Online)
Website: www.theasianthinker.com **Email**: asianthinkerjournal@gmail.com

थे। निष्कर्ष के रूप में हम यह कह सकते है की अधिकांश आदिवासी बच्चों एवं युवाओं में सोशल मीडिया के प्रति जागरूकता हैं।

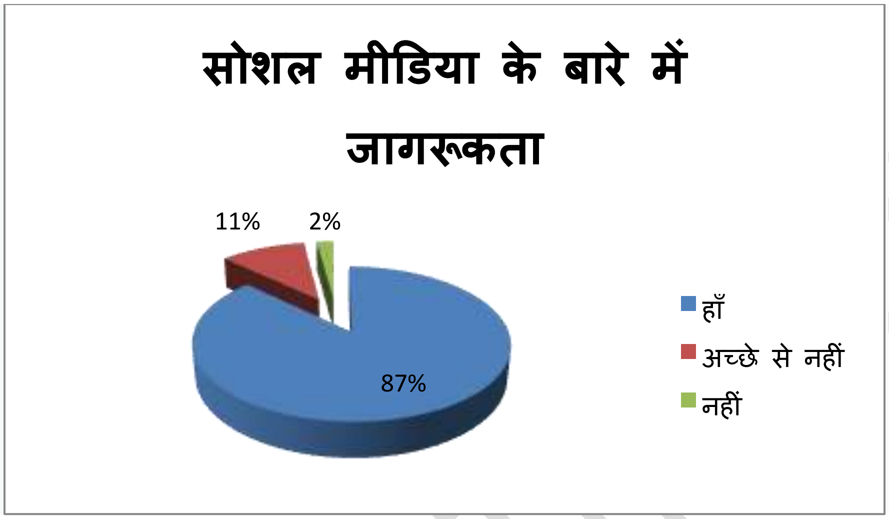

सारणी 4 : सोशल मीडिया का उपयोग

उपयोग	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
हाँ	63	97%
नहीं	2	03%
योग :	65	100%

सारणी 4 से यह ज्ञात होता हैं की अधिकांश 97% बच्चें एवं युवा सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं केवल 03% बच्चे एवं युवा सोशल मीडिया का उपयोग नहीं करते हैं। निष्कर्ष के रूप में हम यह कह सकते है की अधिकांश आदिवासी बच्चें एवं युवा सोशल मीडिया का प्रयोग करते हैं।

The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Year-8 Volume: II, April-June, 2026 Issue-30 ISSN: 2582-1296 (Online)
Website: www.theasianthinker.com **Email**: asianthinkerjournal@gmail.com

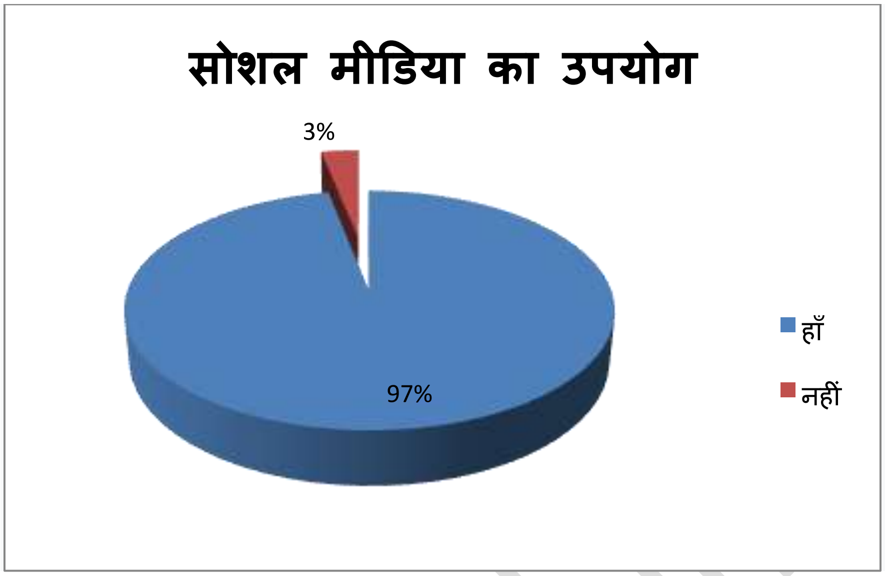

सारणी 5 : सूचना के लिए उपयोगी सोशल मीडिया साइट

सोशल मीडिया साइटें	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
व्हाट्सएप	62	95.4%
फेसबुक	31	47.7%
इन्स्टाग्राम	40	61.5%
ट्विटर	09	13.8%
अन्य (स्नैपचैट, यूट्यूब, प्रिंटरेस्ट आदि)	33	50.8%

नोट : इस प्रश्नावली में उत्तरदाता एक से अधिक विकल्प का चयन कर सकते थे।

सारणी 5 यह इंगित करता हैं की 95.4% उत्तरदाता सूचना प्राप्त करने के लिए व्हाट्सएप का प्रयोग करते हैं, 61.5% उत्तरदाता सूचना प्राप्त करने के लिए इन्स्टाग्राम सोशल मीडिया साइट का इस्तेमाल करते हैं साथ ही 47.7% बच्चे एवं युवा सूचना प्राप्त करने के लिए फेसबुक का उपयोग करते हैं। 13.8% उत्तरदाता सूचना प्राप्त करने के लिए ट्विटर उपयोग करते हैं एवं 50.8% उत्तरदाता सूचना प्राप्त करने के लिए सोशल मीडिया साइट के अन्य विकल्प (स्नैपचैट, यूट्यूब,प्रिंटरेस्ट आदि) प्रयोग करते हैं। अतः हम निष्कर्ष के रूप में हम यह कह सकते है सर्वाधिक उपयोग सूचना प्राप्त करने के लिए व्हाट्सएप का किया गया।

सारणी 6 : सोशल मीडिया तक पहुचने का माध्यम

The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Year-8 Volume: II, April-June, 2026 Issue-30 ISSN: 2582-1296 (Online)
Website: www.theasianthinker.com **Email**: asianthinkerjournal@gmail.com

माध्यम	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
मोबाइल	63	96.9%
कंप्यूटर	2	3.1%
लैपटॉप	00	0%
अन्य माध्यम	00	0%
योग :	65	100%

सारणी 6 से यह पता चलता हैं की 96.9% उत्तरदाता सोशल मीडिया तक पहुचने के लिए मोबाइल का प्रयोग करते हैं, केवल 3.1% लोग ही कंप्यूटर का प्रयोग करते हैं।

सारणी 7 : प्रतिदिन सोशल मीडिया साइट पर बिताया गया समय

समय	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
1 - 2 घंटे	37	56.9%
3 - 4 घंटे	19	29.2%
4 - 5 घंटे	04	06.2%
5 घंटे से अधिक	05	07.7%
योग :	65	100%

सारणी 7 से यह इंगित होता हैं की अधिकांश 56.9% बच्चें एवं युवा प्रतिदिन लगभग 1 - 2 घंटे समय सोशल मीडिया पर बितातें हैं, 29.2% लोग प्रतिदिन 3 - 4 घंटे समय सोशल मीडिया पर बितातें हैं। 06.2% बच्चें एवं युवा प्रतिदिन लगभग 4 - 5 घंटे समय सोशल मीडिया पर बितातें हैं एवं 07.7% बच्चें एवं युवा प्रतिदिन 5 घंटे से अधिक समय सोशल मीडिया पर बितातें हैं।

सारणी 8 : सोशल मीडिया का उपयोग करने का उद्देश्य

उद्देश्य	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
समाज की जानकारी प्राप्त करने के लिए	35	53.8%
समाज से जुड़ने के लिए	20	30.8%
मित्र एवं रिश्तेदारों से संचार करने के लिए	37	56.9%
सामाजिक जागरूकता के लिए	26	40%

The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Year-8 Volume: II, April-June, 2026 Issue-30 ISSN: 2582-1296 (Online)
Website: www.theasianthinker.com **Email**: asianthinkerjournal@gmail.com

मनोरंजन के लिए	45	69.2%
शैक्षणिक जानकारी प्राप्त करने के लिए	47	72.3%
सोशल मीडिया पर फोटो साझा करने के लिए	20	30.8%

नोट : इस प्रश्नावली में उत्तरदाता एक से अधिक विकल्प का चयन कर सकते थे।

सारणी 8 यह दर्शाता हैं की 53.8% बच्चें एवं युवा सोशल मीडिया का उपयोग समाज की जानकारी प्राप्त करने के लिए करते हैं, 30.8% बच्चें एवं युवा सोशल मीडिया का उपयोग समाज से जुड़ने के लिए करते है एवं 56.9% बच्चें एवं युवा सोशल मीडिया का उपयोग मित्र एवं रिश्तेदारों से संचार करने के लिए करते हैं। 40% बच्चें एवं युवा सोशल मीडिया का उपयोग सामाजिक जागरूकता के लिए, 69.2% लोग सोशल मीडिया का उपयोग मनोरंजन के लिए, 72.3% लोग सोशल मीडिया का उपयोग शैक्षणिक जानकारी प्राप्त करने के लिए एवं 30.8% लोग सोशल मीडिया का उपयोग फोटो साझा करने के लिए करते हैं। इससे यह स्पष्ट हो जाता हैं की सोशल का उपयोग बच्चे एवं युवा विभिन्न उद्धेश्यों के लिए करते हैं इस अध्ययन में सर्वाधिक मत शैक्षणिक जानकारी प्राप्त करने के लिए एवं मनोरंजन का अच्छा माध्यम के रूप में किया गया हैं, जिसके लिए ये सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं।

सारणी 9 : सबसे पसंदीदा सोशल मीडिया साइट

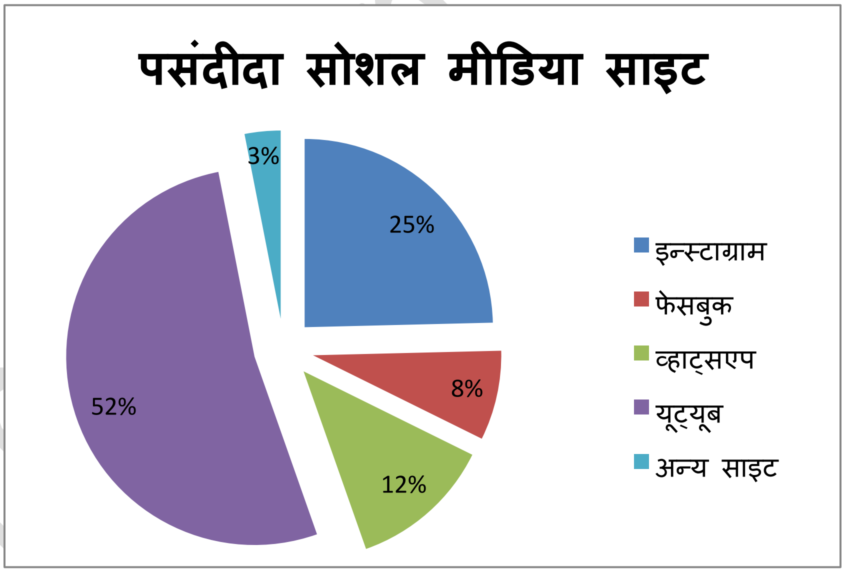

सारणी 9 से यह ज्ञात होता हैं की 52 % बच्चों एवं युवाओं का पसंदीदा सोशल मीडिया साइट यूट्यूब हैं जिससे सर्वाधिक लोगों ने पसंद किया हैं इसके पश्चात् 25 % उत्तरदाताओं ने इंस्टाग्राम को पसंद किया हैं। 12% बच्चों एवं युवाओं ने व्हाट्सएप को पसंद किया, 8% लोगों ने फेसबुक को पसंद किया एवं 3% बच्चों एवं युवाओं ने सोशल

मीडिया के अन्य माध्यमों का उपयोग करना पसंद किया। निष्कर्ष के रूप में हम कह सकते हैं की जनजातीय समुदाय के बच्चे एवं युवा यूट्यूब को अधिक पसंद करते हैं।

सारणी 10 : सोशल मीडिया से व्यक्तित्व विकास से जुड़ी जानकारी

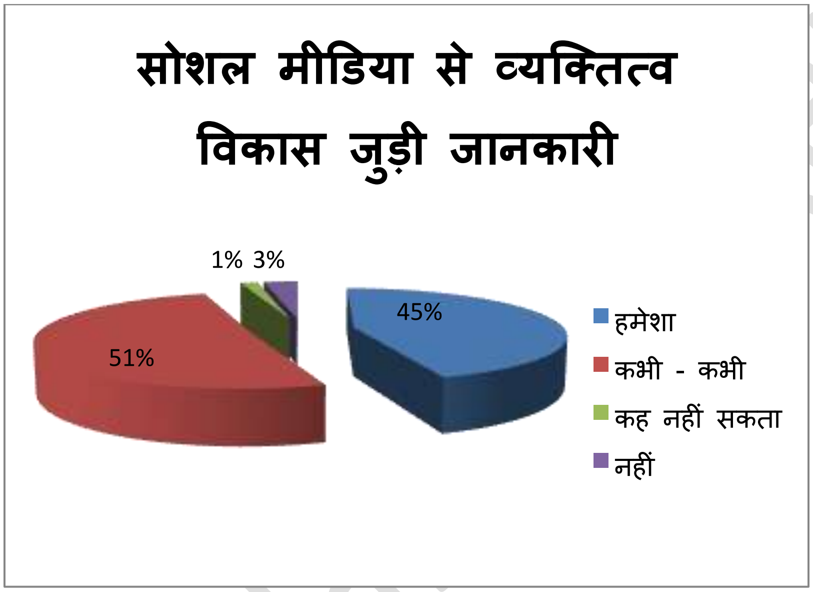

सारणी 10 से यह ज्ञात होता हैं की 45% बच्चें एवं युवा यह मानते हैं की सोशल मीडिया के जरिये उनको व्यक्तित्व विकास से जुड़ी जानकारी हमेशा प्राप्त होती हैं एवं 51% बच्चें एवं युवा यह मानते हैं की सोशल मीडिया के जरिये उनको व्यक्तित्व विकास से जुड़ी जानकारी कभी कभी प्राप्त होती हैं। 3% ने कहा उनकी जानकारी प्राप्त नहीं होती हैं, 1% ने कहा वो कुछ कह नहीं सकते। इस प्रकार हम कह सकते हैं सोशल मीडिया से बच्चें एवं युवा को सोशल मीडिया के जरिये व्यक्तित्व विकास से जुड़ी जानकारी प्राप्त होती हैं।

नतीजों की चर्चा :

1. अधिकांश 87% आदिवासी बच्चें एवं युवा सोशल मीडिया के बारे में जानते थे, 11% अच्छे से सोशल मीडिया के बारे में नहीं जानते थे एवं 02% बच्चे सोशल मीडिया के बारें में नहीं जानते थे।
2. 97% बच्चें एवं युवा सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं केवल 03% बच्चे एवं युवा सोशल मीडिया का उपयोग नहीं करते हैं।

3. अधिकांश 95.4% उत्तरदाता सूचना प्राप्त करने के लिए व्हाट्सएप का प्रयोग करते हैं, 61.5% इन्स्टाग्राम का 47.7% फेसबुक का उपयोग सूचना प्राप्त करने के लिए करते हैं। 13.8% ट्विटर का एवं 50.8% उत्तरदाता सूचना प्राप्त करने के लिए सोशल मीडिया साइट के अन्य विकल्प (स्नैपचैट, यूट्यूब,प्रिंटरेस्ट आदि) प्रयोग करते हैं।
4. अधिकांश 96.9% उत्तरदाता सोशल मीडिया तक पहुचने के लिए मोबाइल का प्रयोग करते हैं, केवल 3.1% लोग ही कंप्यूटर का प्रयोग करते हैं।
5. अधिकांश 56.9% बच्चें एवं युवा प्रतिदिन लगभग 1 - 2 घंटे समय सोशल मीडिया पर बितातें हैं, 29.2% प्रतिदिन 3 – 4 घंटे, 06.2% प्रतिदिन लगभग 4 - 5 घंटे एवं 07.7% बच्चें एवं युवा प्रतिदिन 5 घंटे से अधिक समय सोशल मीडिया पर बितातें हैं।
6. 53.8% बच्चें एवं युवा सोशल मीडिया का उपयोग समाज की जानकारी प्राप्त करने के लिए करते हैं, 30.8% समाज से जुड़ने के लिए, 56.9% मित्र एवं रिश्तेदारों से संचार करने के लिए, 40% सामाजिक जागरूकता के लिए, 69.2% मनोरंजन के लिए, 72.3% शैक्षणिक जानकारी प्राप्त करने के लिए एवं 30.8% लोग सोशल मीडिया का उपयोग फोटो साझा करने के लिए करते हैं।

7. सारणी 9 से यह ज्ञात होता हैं की 52 % बच्चों एवं युवाओं का पसंदीदा सोशल मीडिया साइट यूट्यूब हैं जिससे सर्वाधिक लोगों ने पसंद किया हैं इसके पश्चात् 25 % उत्तरदाताओं ने इंस्टाग्राम को पसंद किया हैं। 12% बच्चों एवं युवाओं ने व्हाट्सएप को पसंद किया, 8% लोगों ने फेसबुक को पसंद किया एवं 3% बच्चों एवं युवाओं ने सोशल मीडिया के अन्य माध्यमों का उपयोग करना पसंद किया। निष्कर्ष के रूप में हम कह सकते हैं की जनजातीय समुदाय के बच्चे एवं युवा यूट्यूब को अधिक पसंद करते हैं।
8. सारणी 10 से यह ज्ञात होता हैं की 45% बच्चें एवं युवा यह मानते हैं की सोशल मीडिया के जरिये उनको व्यक्तित्व विकास से जुड़ी जानकारी हमेशा प्राप्त होती हैं एवं 51% बच्चें एवं युवा यह मानते हैं की सोशल मीडिया के जरिये उनको व्यक्तित्व विकास से जुड़ी जानकारी कभी कभी प्राप्त होती हैं। 3% ने कहा उनकी जानकारी प्राप्त नहीं होती हैं, 1% ने कहा वो कुछ कह नहीं सकते। इस प्रकार हम कह सकते हैं सोशल मीडिया से बच्चें एवं युवा को सोशल मीडिया के जरिये व्यक्तित्व विकास से जुड़ी जानकारी प्राप्त होती हैं।

सुझाव : इस अध्ययन से प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर बच्चों और युवाओं के लिए निम्नलिखित सुझाव उपयोगी सिद्ध होगा –

- आदिवासी बच्चों एवं युवाओं में सोशल मीडिया के बारे में सकारात्मक जागरूकता लाने का प्रयास करे।

The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Year-8 Volume: II, April-June, 2026 Issue-30 ISSN: 2582-1296 (Online)
Website: www.theasianthinker.com **Email**: asianthinkerjournal@gmail.com

- बच्चों और युवाओं को सोशल मीडिया के सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव के प्रति जागरूक करना चाहिए यह दायित्व शिक्षको और अभिभावकों को निभाना चाहिए।
- इनको शैक्षणिक सोशल मीडिया साईट के बारे में जानकारी दिया जाना चाहिए जिससे जुड़ कर अपना सकारात्मक एवं शैक्षणिक विकास कर सके।
- खाली समय परिवार एवं दोस्तों के साथ व्यतीत करना चाहिए एवं खेल कर मानसिक स्वास्थ्य को अच्छा रखने का प्रयास करना चाहिए।
- अनावश्यक सोशल साईट पर समय न बिताये बल्कि कुछ नया सिखने का प्रयास करे इस हेतु अपने से बड़ों से उचित मार्गदर्शन ले।

निष्कर्ष : आधुनिक युग में सूचना के प्रसार के लिए सोशल मीडिया एक सशक्त माध्यम और समाज में विभिन्न सामाजिक गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह बच्चों एवं युवाओं के नवीन विचारों और सूचनाओं को साझा करने का एक मंच है। इस अध्ययन से यह ज्ञात होता है कि अधिकांश आदिवासी समुदाय के बच्चें एवं युवा सोशल मीडिया टूल्स के बारे में अच्छे से जानतें हैं और इनका विभिन्न उद्देश्य के लिए उपयोग करते हैं तथा इस बात से भी सहमत हैं कि सोशल मीडिया से उनके व्यक्तित्व से जूडी सूचना प्राप्त होती हैं जो उनके लिए बहुत उपयोगी हैं। शोध से पता चलता है कि अधिकांश 95.4% उत्तरदाता सूचना प्राप्त करने के लिए व्हाट्सएप का प्रयोग करते हैं एवं अधिकांश 96.9% उत्तरदाता सोशल मीडिया तक पहुचने के लिए मोबाइल का प्रयोग करते हैं कुछ ही उत्तरदाता कंप्यूटर का उपयोग करते नज़र आये । सभी बच्चों एवं युवाओं को सोशल मीडिया का यथा संभव सकारात्मक उपयोग करना चाहिए अनावश्यक समय सोशल मीडिया पर नहीं बिताना चाहिए अपितु नए कौशल सीख कर अपना जीवन सुगम बनाने का प्रयत्न करना चाहिए।

सन्दर्भ :

1. Nagaraja, S. and other. (2016). Awareness and Use of Social Media by Student Teachers: A Study. International Journal of Next Generation Library and Technologies, 2 (4), 1-14.
2. Kamble, Bhagyashree and other. (2021). Use and awareness of socialmedia tools by under graduate students. J-BNB : A Multidisciplinary journal, 11, 79-86.

3. Lokesha M. and Naik, Dr. Umesha. (2016). Use and Awareness of Social Networking Tools by the Research Scholars of Mangalore University: A Study. International journal of library and information studies, 6 (1), 169-178.
4. Singh, Roopendra and Khare, V.P. (2015). Awareness and use of social networking tools among the P.hD. research scholars of bundelkhand university, jhansi. VSRD International Journal of Technical & Non-Technical Research, Vol. VI Special Issue, 271-275.
5. Dr. Mange Ram and Singh, Sukhbir. (2024). Awareness and Use of Social Media Among Graduate and Post Graduate Student of Kurukshetra University, Kurukshetra, Haryana. Journal of Indian Library Association, 60 (2), 164-171.

The Asian Thinker